PAPER-5 | सामान्य अध्ययन – IV

नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा एवं अभिरुचि तथा मामला आधारित अध्ययन

4.1. नीतिशास्त्र और मानवीय सह-सम्बन्ध:

- नीतिशास्त्र और मानवीय सह-सम्बन्ध— मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्व, इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम; निजी एवं सार्वजनिक सम्बन्धों में नीतिशास्त्र।
  [Ethics and Human Interface— Essence, determinants and consequences of Ethics in human actions; Dimensions of ethics; Ethics in private and public relationships.]

- मानवीय मूल्य— महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका।
  [Human Values— Lessons from the lives and teachings of great leaders, reformers and administrators; Role of family, society and educational institutions in inculcating values.]

4.2. अभिवृत्ति:

- अभिवृत्ति— अन्तर्वस्तु (कण्टेण्ट), संरचना, कार्य; विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं सम्बन्ध; नैतिक और राजनीतिक अभिवृत्ति; सामाजिक प्रभाव और अनुनयन।

[Attitude— Content, structure, function; Its influence and relation with thought and behaviour; Moral and political attitudes; Social influence and persuasion.]

4.3. अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य:

- सिविल सेवा के लिए अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य— सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा निष्पक्षता, वस्तुनिष्ठता, लोक सेवा के प्रति समर्पण भाव; कमजोर वर्गों के प्रति समानुभूति, सहिष्णुता तथा करुणा/संवेदना।
  [Aptitude and foundational values for Civil Service— Integrity, impartiality and non-partisanship, objectivity, dedication to public service; Empathy, tolerance and compassion towards the weaker-sections.]

4.4. भावनात्मक समझ:

- भावनात्मक समझ— अवधारणाएँ तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उसके उपयोग और अनुप्रयोग।
  [Emotional Intelligence— Concepts and their utilities and applications in administration and governance.]

4.5. भारत तथा विश्व के दार्शनिक:

- भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों का योगदान।
  [Contributions of moral thinkers and philosophers from India and the world.]

4.6. लोक प्रशासन में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र:

- लोक प्रशासन में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र— स्थिति तथा समस्याएँ; सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक चिन्ताएँ और दुविधाएँ; नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अन्तर्रात्मा।
  [Public/Civil service values and Ethics in Public Administration— Status and problems; Ethical concerns and dilemmas in government and private institutions; Laws, rules, regulations and conscience as sources of ethical guidance.]

- जवाबदेही तथा नैतिक शासन व्यवस्था; शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण; अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों और निधि-व्यवस्था (funding) में नैतिक मुद्दे; सहकारी (कार्पोरेट) शासन व्यवस्था।
  [Accountability and ethical governance; Strengthening of ethical and moral values in governance; Ethical issues in international relations and funding; Corporate governance.]

4.7. शासन व्यवस्था में ईमानदारी:

- शासन व्यवस्था में ईमानदारी (शुचिता)— लोक सेवा की अवधारणा; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का नैतिक आधार; सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता; सूचना का अधिकार।
  [Probity in Governance— Concept of public service; Philosophical basis of governance and probity;

Information sharing and transparency in government; Right to Information.]

- आचार संहिता तथा आचरण संहिता; नागरिक घोषणा-पत्र; कार्य संस्कृति; सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता; लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ।
  [Codes of Ethics and Codes of Conduct; Citizen's Charters; Work culture; Quality of service delivery; Utilization of public funds, Challenges of corruption.]

4.8. उपरोक्त विषयवस्तु पर मामला सम्बन्धी अध्ययन (केस स्टडी)।
[Case studies on the above issues.]

▪▪▪